सैकड़ों बसें, हजारों यात्री और रेंगता ट्रैफिक

सिलवानी में अतिक्रमण से रोज लगता है लंबा जाम

सिलवानी, 24 फरवरी. नगर का बजरंग चौराहा इन दिनों यातायात दबाव का प्रमुख केंद्र बन गया है. दिनभर रेंगते ट्रैफिक और जाम की लंबी कतारों से हजारों नागरिकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थिति यह है कि कुछ मिनटों की दूरी तय करने में भी लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है. नगरवासियों का कहना है कि बजरंग चौराहा से तहसील मार्ग तक विभिन्न स्थानों पर हुए अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है. दुकानों के सामने खड़े वाहन और अस्थायी ठेले-स्टॉल यातायात में बाधा बन रहे हैं. स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और अधिक विकराल हो सकती है.

हर 10-15 मिनट में बसों का आवागमन: नगर के बस स्टैंड से संचालित सैकड़ों बसें इसी चौराहे से होकर गुजरती हैं. लगभग हर 10 से 15 मिनट में एक बस के आवागमन से यह क्षेत्र अत्यधिक व्यस्त बना रहता है. प्रतिदिन हजारों यात्री बस स्टैंड पहुंचने या वहां से निकलने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं. जाम की स्थिति में यात्रियों को अतिरिक्त समय तो लगता ही है, साथ ही दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है.

पैदल राहगीरों के लिए चुनौती

चौराहे पर पैदल पार करना भी जोखिम भरा हो गया है. ट्रैफिक सिग्नल और यातायात नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था नहीं होने से स्कूली छात्र, बुजुर्ग और महिलाएं खासतौर पर असुविधा महसूस कर रहे हैं.

भोपाल-गैरतगंज मार्ग का एकमात्र विकल्प

भोपाल और गैरतगंज क्षेत्र की ओर आने-जाने वाले नागरिकों के लिए यही मुख्य मार्ग है. वैकल्पिक रास्ता नहीं होने से भारी वाहनों और निजी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे जाम की समस्या स्थायी रूप लेती जा रही है.

नागरिकों ने की समाधान की मांग

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बजरंग चौराहा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया जाए, यातायात पुलिस की नियमित तैनाती हो और ट्रैफिक प्रबंधन के स्थायी उपाय किए जाएं. यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह चौराहा आने वाले समय में नगर की सबसे बड़ी यातायात समस्या बन सकता है.

3 दिन तक पड़ा रहा तेंदुए का शव

वन विभाग को नहीं लगी भनक

ग्रामीणों द्वारा जानकारी देने के 24 घंटे बाद मौके पर पहुंचा वन अमला

सलामतपुर, 24 फरवरी.सांची जनपद के अंतर्गत आने वाले गीदगढ़ गांव की बंद पड़ी गौशाला में 3 दिन पुराना तेंदुए का शव मिला है. इस मामले में वन विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है. ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ 3 दिन से गौशाला में मरा पड़ा रहा और विभाग को इसकी भनक तक नही लगी. सूचना देने के बाद भी विभाग के कर्मचारी 24 घंटे बाद मौके पर पहुंची.

गौरतलब है कि शव से तेज बदबू आने पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची. तेंदुए की मौत का कारण अभी अज्ञात है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इसका खुलासा हो सकेगा. वन विभाग ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार किया. तेंदुए की उम्र लगभग 4 वर्ष बताई जा रही है.

अब तक 30 मवेशियों पर हो चुके हैं हमले

पश्चिम वन क्षेत्र के ग्राम कायमपुर, नरखेड़ा, कुल्हाड़िया, गीदगढ़ और सत्ती गांव सहित आसपास क्षेत्र में तेंदुओं के बढ़ते आतंक से भी ग्रामीण परेशान और भयभीत हैं. गांव में तेंदुए लगातार मवेशियों को अपना शिकार बना रहे हैं. पिछले एक साल में तेंदुए अब तक 30 मवेशियों पर हमला कर चुके हैं. कुछ दिन पूर्व भी एक ग्रामीण के घर के पीछे बंधे गाय के बछड़े पर तेंदुए ने हमला किया था. यह घटना रात करीब 2 बजे की थी. तेंदुए के हमले से बछड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया था और जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करते हुए उसकी मौत हो गई थी. यह दूसरी बार था जब उनके मवेशी पर तेंदुआ ने हमला किया. गांव के लोग तेंदुए के डर से रातों में बाहर निकलने से डरते हैं. एक साल से तेंदुओं के हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और मवेशियों को बचाया जा सके.

इस घटना ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. मौके पर पहुंचीं डीएफओ प्रतिभा शुक्ला ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट जानकारी देने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा, 'जो लिखना है लिख दो, मैं आगे जवाब दे दूंगी.

एक नजर में

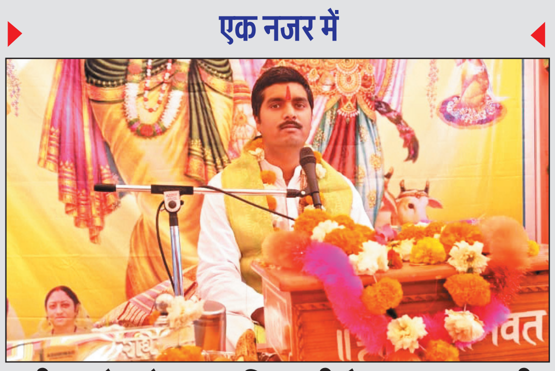

जीवन में हमें संयम सिखाती है कथा : शास्त्री

बेगमगंज. ग्राम मूड़रा चावल में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के तीसरे दिन पं. कमलेश कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान की कथा हमें जीवन में संयम सिखाती है, क्योंकि जीवन में सफलता और शांति दोनों के लिए आत्मनियंत्रण आवश्यक है. कथा भक्ति का भाव जगाती है, जिससे मन में नम्रता और करुणा का उदय होता है. जब हम कथा सुनते हैं, तो हमारे भीतर सकारात्मक विचारों का संचार होता है, नकारात्मकता दूर होती है और मन स्थिर होने लगता है. उन्होंने कहाकि संसार में मनुष्य धन, पद और प्रतिष्ठा के पीछे भागता रहता है, परंतु वास्तविक धन वह है जो मृत्यु के बाद भी जीवित रहता है और वह है यश और कीर्ति. शास्त्री जी ने कहा कि अपने बच्चों को धर्म की शिक्षा अवश्य दें और उन्हें धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करें. जिस बच्चे के जीवन में धर्म का आधार होता है, उसका चरित्र मजबूत होता है. वह सही और गलत का अंतर समझता है, बड़ों का आदर करता है, छोटों से प्रेम करता है. समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना सीखता है. धर्म जीवन को दिशा देता है, अनुशासन सिखाता है और कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है. उन्होंने कहा कि मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग बच्चों के लिए के काफी हानिकारक है. इससे पढ़ाई में ध्यान कम होना, एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन और सामाजिक दूरी जैसी समस्याएँ बढ़ने लगती हैं.

बच्चे ले रहे हैं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

सलामतपुर. सलामतपुर हायर सेकंडरी स्कूल में वेलस्पन फाउंडेशन एवं निवसीड संस्था के माध्यम से 15 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. स्कूल में चल रहे किशोर क्षमता वर्धन एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण सृजन कार्यक्रम में पुलिस विभाग के मास्टर ट्रेनर दिनेश दिवाकर द्वारा बच्चों को 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है. उनके द्वारा बच्चों को एक्सरसाइज पंच, ब्लाक आदि का प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान लगभग 95 बच्चे आत्मरक्षा के गुर सीख रहे हैं. कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर क्षमता वर्धन एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण देना है. इस प्रशिक्षण में छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों के साथ आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है. पुलिस विभाग के मास्टर ट्रेनर दिनेश दिवाकर ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण से छात्राएं, बालिकाएं मनोवैज्ञानिक, बौद्धिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनती हैं. उन्होंने कहा कि छात्राएं जो प्रशिक्षण प्राप्तकरेंगी, यह उनके लिए हमेशा उपयोगी रहेगा. सीखने के बाद छात्राओं के आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी तथा वे स्वयं को पहले की अपेक्षा और अधिक सशक्त महसूस करेंगी. यह आत्मरक्षा के साधन के साथ-साथ खेल भी है. हमारे जिले के अनेक बालक-बालिकाओं ने मार्शल आर्ट, ताइक्वांडों में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले का नाम रौशन किया है.

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं

रायसेन. कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा आमजन की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया. कलेक्टर ने जनसुनवाई में आए आवेदकों से उनकी समस्याओं पर चर्चा करते हुए निराकरण किया. कुछ प्रकरणों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण हेतु निर्देशित किया. साथ ही अन्य तहसीलों से आए आवेदकों की समस्याओं के निराकरण हेतु वीसी के माध्यम से निर्देशित किया. कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर मनोज कुमार उपाध्याय, सहायक कलेक्टर कुलदीप पटेल एवं जिला अधिकारी उपस्थित रहे.

केसराम साहू समाज के जिलाध्यक्ष निर्वाचित

देवनगर में हुई चुनाव की प्रक्रिया, सिर्फ एक नामांकन दाखिल

सिलवानी, 24 फरवरी. जिला साहू समाज रायसेन के जिला अध्यक्ष पद पर केसराम साहू निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए. देवनगर में हुए चुनाव में केवल एक नामांकन प्राप्त होने पर चुनाव अधिकारी ने केसराम साहू को निर्विरोध जिला अध्यक्ष घोषित किया.

निवर्तमान जिला अध्यक्ष बसंत साहू ने नव निर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत किया.निर्वाचन में जिले के लगभग 1300 मतदाताओं एवं सभी तहसील अध्यक्षों की सहभागिता रही, जिन्होंने एकमत होकर निर्विरोध निर्वाचन के माध्यम से एकता का संदेश दिया.

सामूहिक विवाह सम्मेलन की घोषणा

बैठक में वर्ष 2026 के नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन बम्होरी तहसील के खेरी जयपुरा में अक्षय तृतीया 20 अप्रैल को करने की सर्वसम्मति से घोषणा की गई.नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष केसराम साहू ने शपथ ग्रहण उपरांत अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की.कार्यक्रम के दौरान समाज की बेटी मुस्कान साहू की उच्च शिक्षा हेतु संपूर्ण खर्च वहन करने की घोषणा समाजसेवियों द्वारा की गई तथा तत्काल आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया.

संतश्री गाडगे महाराज की जयंती मनाई

बेगमगंज, 24 फरवरी. रजक समाज बेगमगंज, सुल्तानगंज के तत्वावधान में समाजबंधुओं ने संतश्री गाडगे बाबा महाराज की जयंती बेगमगंज के दशहरा मैदान में मनाई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवानदास मालवी रहे. अध्यक्षता हरिश्चंद्र रजक ने की.

संचालन बादल कुमार वर्मा तुलसीपार समाजसेवी द्वारा किया गया. कार्यक्रम में गुलाब रजक पार्षद, रामस्वरूप जनपद सदस्य, धर्मेंद्र रजक ने अपने उद्बोधन में कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य संत गाडगे बाबा के स्वच्छता, समाज सुधार और मानव सेवा के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है. उन्होंने कहा कि संत गाडगे महाराज को स्वच्छता आंदोलन का जनक माना जाता है. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी भी गाडगे बाबा के विचारों से प्रभावित रहे हैं और पीएम बनने के बाद उन्होंने देशव्यापी स्वच्छता अभियान की शुरुआत की.

धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान का आयोजन

घर-घर संपर्क कर रहे हैं विहिप कार्यकर्ता

सिलवानी, 24 फरवरी. विश्व हिंदू परिषद द्वारा प्रखंड सिलवानी एवं सभी खंडों में धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान का आयोजन किया जा रहा है. इस अभियान का मुख्य उद्देश्य धर्म एवं सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करना तथा समाज में जागरूकता को सुदृढ़ करना है.

अभियान के अंतर्गत परिषद के कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर नागरिकों को धर्म रक्षा के महत्व से अवगत करा रहे हैं तथा स्वेच्छा से निधि समर्पण करने का आह्वान कर रहे हैं. कार्यकर्ताओं का कहना है कि समाज की एकजुटता, सहयोग और सक्रिय सहभागिता से ही हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुरक्षित और सशक्त रखा जा सकता है. अभियान के दौरान विदिशा विभाग संगठन मंत्री मुकेश महेश्वरी, मध्य भारत प्रांत कार्यकारिणी सदस्य महेश नामदेव तथा प्रखंड कार्यकारिणी, नगर टोली एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे.नगर एवं विभिन्न खंडों में अभियान को लेकर उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है. परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान निर्धारित अवधि तक निरंतर संचालित किया जाएगा. अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर उन्हें इस अभियान से जोड़ा जाएगा. अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे बढ़-चढ़कर सहभागिता करें और समर्पण अभियान को सफल बनाएं.

बाड़ी में मोबाइल चोरी की वारदातें बढ़ीं

आरोपियों तक नहीं पहुंच पा रही है पुलिस

बाड़ी. नगर में मोबाइल चोरी की वारदातें बढ़ने लगी है. पुलिस की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में है. शिकायतों के महीनों बाद भी पुलिस के हाथ खाली है. पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आमजन में तीव्र आक्रोश है. एलआईसी एजेंट देवेंद्र ठाकुर का मोबाइल चोरी हुए दो माह से अधिक समय हो गया, जिसका अभी तक भी पता नही चल पाया है. इसी प्रकार 20 जनवरी को शिक्षक कृष्ण कुमार ठाकुर एवं अनिल तिवारी के मोबाइल साप्ताहिक मंगलवारा हाट बाजार में चोरी हुए. इसी दिन अन्य लोगों के मोबाइल भी गुमने अथवा चोरी होने की जानकारी मिली है. इनको भी एक माह से अधिक समय बीत गया लेकिन चोरों का पता नहीं चला. पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली से चोरों के हौसले बुलंद हो रहे है. पिछले दिनों पुलिसकर्मियों के रिश्वत मांगने एवं धमकाने का ऑडियो वायरल हुआ था. चर्चा है कि इस मामले में आरोपी आरक्षक को लाइन अटैच किया गया है.

किसानों की हार्वेस्टर से कटाई में अधिक रुचि

हार्वेस्टर से कटाई कराने में प्रति एकड़ डेढ़ से दो हजार रुपए का फायदा हो रहा किसान को

सिलवानी 24 फरवरी. इस साल रबी की फसल के दौरान बार-बार मौसम खराब होने का असर अब फसल के उत्पादन पर दिखाई दे रहा है. क्षेत्र के चना उत्पादक किसानों ने बताया कि इस बार चना पिछले साल की तुलना में काफी कम निकल रहा है. वहीं चना की मजदूरी से कटाई भी महंगी पड़ रही है. इस वजह से किसान हार्वेस्टर से चना कटाई पर जोर दे रहे हैं.

किसानों ने बताया मजदूरी की तुलना में हार्वेस्टर से कटाई कराने में प्रति एकड़ डेढ़ से दो हजार रुपए का फायदा हो रहा है. उल्लेखनीय है क्षेत्र के करीब 10 प्रतिशत किसानों ने चना फसल काट ली है अथवा कटवाना शुरू कर दी है. पूर्व के वर्षों के चना उत्पादन प्रति एकड़ करीब 10 से 15 बोरा निकला था. परंतु इस वर्ष 6 से लेकर मात्र 10 बोरा प्रति क्विंटल ही निकल पा रहा है. ऐसे में बहुत कम किसानों को दस बोरा प्रति एकड़ का एवरेज मिल सकेगा. किसान हीरेंद्र यादव एवं रामदास सेन ने बताया इस वर्ष मौसम में दो से तीन बार बदलाव एवं लगातार पानी के कारण चना के उत्पादन पर असर देखने पड़ा है.

हार्वेस्टर के माध्यम से चना कटाई, मजदूरों से कटाई की तुलना में सस्ती पड़ रही है. हार्वेस्टर से कटाई में करीब दो हजार रुपए प्रति एकड़ की बचत मजदूरों के हाथों से कटाई की अपेक्षा हो रही है. इसीलिए किसानों का रुख हार्वेस्टर की कटाई ओर दिखाई दे रहा है. चना कटाई की हार्वेस्टर की दर करीब 1500 रुपए प्रति एकड़ से 2000 हजार चल रही है. किसानों का कहना है इस दर के चलते हार्वेस्टर से कटाई सस्ती पड़ रही है.

ठेका अथवा मजदूरों से कटाई पड़ रही महंगी

इधर क्षेत्र के अनेक किसानों का रुख इस वर्ष हार्वेस्टर से चना कटाई की ओर अधिक दिखाई दे रहा है. किसान राजकुमार रघुवंशी ने बताया कि हाथ से कटाई के ठेकेदार प्रति एकड़ 4500 से 5 हजार रुपए चना कटाई के ले रहे हैं. वहीं खुल्ली मजदूरी में भी मजदूर 350 रुपए से 400 रुपए प्रति एकड़ ले रहे हैं. ऐसे में चना की कटाई हार्वेस्टर से ही करवाना सस्ता पड़ रहा है.

संस्कृति | डीजे के शोर में दब गई नगड़िया, होली के रंग में घुलती परंपरा

आधुनिक चकाचौंध में खोती जा रही है पारंपरिक राई की थाप

सिलवानी, 24 फरवरी. रंगों के त्योहार होली पर आदिवासी अंचलों और ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाने वाला पारंपरिक राई नृत्य आज भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है. कभी नगड़िया, ढोलक, झांझर और मंजीरे की सुमधुर थाप पर गोल घेरे में मशालों की रोशनी के बीच प्रस्तुत होने वाला राई नृत्य अब आधुनिकता की चकाचौंध में अपना मूल स्वरूप खोता नजर आ रहा है.

एक समय था जब राई नृत्य की शुरुआत नगड़िया की गूंजती आवाज से होती थी. ढोलक की लय, झांझर और मंजीरे की ताल के साथ ग्रामीण कलाकार 'ख्याल' और राई गीत गाते हुए वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना देते थे.

नृत्य स्थल पर मशालों से गोल घेरा बनाया जाता था, जिसके भीतर कलाकार पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुति देते थे. यह दृश्य न केवल मनोरंजन का माध्यम था, बल्कि सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी माना जाता था.

स्थानीय बुजुर्गों और संस्कृति प्रेमियों का कहना है कि राई नृत्य की गरिमा और मर्यादा पर भी प्रभाव पड़ा है. कुछ आयोजनों में राई के नाम पर अश्लील नृत्य और फिल्मी गीतों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे इसकी सांस्कृतिक पहचान धूमिल हो रही है. उनका मानना है कि यदि समय रहते इस दिशा में ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियां राई के वास्तविक स्वरूप से अनभिज्ञ रह जाएंगी.

डीजे संस्कृति ने बदला स्वरूप

समय के साथ तकनीक और आधुनिक साधनों का प्रभाव ग्रामीण अंचलों तक पहुंचा. अब पारंपरिक वाद्य यंत्रों की जगह डीजे और तेज ध्वनि वाले साउंड सिस्टम ने ले ली है. राई नृत्य खुले मैदान और मशालों के घेरे से निकलकर मंचों पर पहुंच गया है. रंगीन लाइटों और फिल्मी गीतों की धुन पर प्रस्तुतियां दी जा रही हैं. इससे युवाओं में आकर्षण तो बढ़ा है, लेकिन पारंपरिकता पीछे छूटती दिखाई दे रही है.

संरक्षण की आवश्यकता

संस्कृति विशेषज्ञों का सुझाव है कि राई नृत्य को उसके पारंपरिक रूप में संरक्षित करने के लिए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण शिविर, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं और पारंपरिक वाद्य यंत्रों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए. होली जैसे पर्व केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अवसर भी हैं. आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाकर राई नृत्य की मौलिकता को सुरक्षित रखा जाए, ताकि नगड़िया की थाप और मंजीरे की झंकार आने वाले वर्षों तक यूं ही गूंजती रहे.

मंडीदीप में एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने कार्यशाला हुई

150 से अधिक प्रतिभागियों ने की सहभागिता

रायसेन, 24 फरवरी. मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा मंडीदीप एसोसिएशन हॉल में ओडीओपी एवं एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को निर्यात संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई. कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों एवं हितधारकों ने सक्रिय सहभागिता की.

कार्यशाला में अभिनव ने लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात प्रक्रियाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं. यूको बैंक से रत्नेश ने निर्यातकों के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी, डाक विभाग से विजय पांडेय द्वारा डाक सेवाओं के माध्यम से छोटे उद्यमियों के लिए निर्यात के अवसरों पर प्रस्तुति दी गई. वॉलमार्ट से समीर मिस्त्री ने आधुनिक बाजार की मांग, गुणवत्ता मानकों एवं वैश्विक प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के तरीकों पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया.